दीनदयाल शोध केन्द्र

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

पाठ्यक्रम

एम0 ए0 ज्योतिर्विज्ञान

अध्ययन मंडल (बोर्ड ऑफ स्टडीज) की बैठक की कार्यवाही विवरण

दिनांक 11 मई 2024 अपरान्ह 12:15 बजे प्रतिकुलपति जी के मीटिंग हाल में डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड एवं एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान पाठ्यक्रम को आद्यतन करने हेतु बोर्ड ऑफ स्टडीज (BOS) की ऑनलाइन मीटिंग सम्पन्न हुयी। इस मीटिंग में निम्न सम्मानित सदस्य उपस्थित हुए।

- बाह्य सदस्य
  1. डॉ.विजय शंकर द्विवेदी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, मो.– 8527118375 (आनलाइन)
  2. डॉ.अंशुल दुबे,तिलक डिग्री कालेज, औरैया, मो.– 9696394716 (आनलाइन)
  3. प्रो.प्रदीप कुमार दीक्षित,वी एस एस डी कालेज, कानपुर मो.–7489423390
- विभागीय सदस्य
  1. प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, निदेशक
  2. डॉ. दुर्गेश सिंह
  3. डॉ. एस.के. द्विवेदी
  4. श्री स्वयं प्रकाश अवस्थी

बैठक में निम्न अनुशंसा की गयी :–

1. एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान के पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन (प्रश्नपत्र वार सन्दर्भित पुस्तकों की सूची) के अनुमोदन किये जाने की अनुशंसा पर सहमति व्यक्त की गयी।
2. डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड के पाठ्यक्रम में आंशिक संशोधन (लघाष्टाध्यायी सम्पूर्ण पाठ) के अनुमोदन किये जाने की अनुशंसा पर सहमति व्यक्त की गयी।
3. पाठ्यक्रम संरचना पर आंशिक संशोधन के अद्यतन कर अनुमोदन किये जाने की अनुशंसा पर सहमति व्यक्त की गयी।
4. इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु सभी संकायों में उत्तीर्ण छात्रों के प्रवेश पर सहमति व्यक्त की गयी।
5. आंशिक संशोधन का अधिकार निदेशक के पास सुरक्षित रखा गया।

- नोट : बाह्य सदस्यों के ऑनलाइन जुड़े होने के कारण ऑनलाइन ही सहमति प्राप्त की गयी।

1. प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, निदेशक
2. डॉ.विजय शंकर द्विवेदी,
3. प्रो.प्रदीप कुमार दीक्षित,
4. डॉ.अंशुल दुबे
5. डॉ. एस.के. द्विवेदी
6. श्री स्वयं प्रकाश अवस्थी स्वयं प्रकाश अवस्थी
7. डॉ. दुर्गेश सिंह, सहायक निदेशक

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

Deendayal Shodh Kendra

Parasnatak Jyotish (M.A. Jyotirvigyan)

Pathaykram Sanrachna

The Schedule of papers prescribed for Various semesters and marks shall be as follows.

Semester – 1

Syllabus Developed By			
Name of BoS Convenor/BoS Member	**Designation**	**Department**	**College/University**

A	B	C	D	E	F	G
I[st] Semester						
COURSE CODE	**TYPE**	**COURSE TITLE**	**CREDITS**	**CIA**	**ESE**	**MAX. MARKS**
S650701T	Theory	Bhartiya Jyotish Ka Parichay Evam Itihas	4	25	75	100
S650702T	Theory	Siddhant Jyotish Evam Kal Vivechan	4	25	75	100
S650703T	Theory	Panchang Evam Muhurt	4	25	75	100
S650704T	Theory	Kal Parigyan Evam Grahan	4	25	75	100
S650705P	Practical	Prayogik	4	25	75	100
		Total Number	20			500
2[nd] Semester						
S650801T	Theory	Kundali Nirman	4	25	75	100
S650802T	Theory	Panchang Muhurt Evam Vivah Melapak	4	25	75	100
S650803P	Practical	Prayogik	4	25	75	100
Electives (Choose any two papers from electives)						
S650804T	Theory	Vastu Jyotish	4	25	75	200
S650805T	Theory	Phladesh Ke Avashyak Tatva	4	25	75	
S650806T	Theory	Dasha Parichay Evam Markesh	4	25	75	
	ME	Minor Elective from other faculty/ department	4	25	75	100
S650807R	Research	Laghu Shodh Rooprekha	8	25	75	100
Total Number			32			**700**

Department will offer Minor Elective for Semester I and II Details are as under		
S650802T	Theory	Panchang Muhurt Evam Vivah Melapak
S650805T	Theory	Phladesh ke Avashyak Tatva
Students will up to minor elective in semester II		

3rd Semester

S650901T	Theory	Horashastra Evam Phladesh-1	4	25	75	100
S650902T	Theory	Jyotish ke Vividh Yog Evam Dasha Phal Vichar-1	4	25	75	100
S650903T	Theory	Jyotish Evam Yatra Vimarsh	4	25	75	100
S650904P	Practical	Prayogik	4	25	75	100
Electives (Students) have to choose any one paper from Electives						
S650905T	Theory	Jaimini Jyotish	4	25	75	100
S650906T	Theory	Sanhita Skandh	4	25	75	100
		Total Number	20			**500**

4th Semester

S651001T	Theory	Horashastra Evam Phladesh – 2	4	25	75	100
S651002T	Theory	Jyotish ke Vividh Yog Evam Dasha Phal Vichar-2	4	25	75	100
S651003P	Practical	Prayogik	4	25	75	100
	Electives (Students have to choose any two papers from Electives					
S651004T	Theory	Krishna Murti Paddhati	4	25	75	200
S651005T	Theory	Prashna Jyotish Evam Vichar	4	25	75	
S651006T	Theory	Shodash Varg Sadhan	4	25	75	
S651007R	Research	Dissertation / Research Project	8	25	75	100
		Total Number	28	25	75	**600**

Total Credit of the Programme - **100**
Total Marks - **2300**
CC – Core Course **EC** - **Electives Course**
ME - Minor Electives **(NTCC)** - **Non Teaching Credit Course**

COURSE CODE - S650701T
प्रथम सेमेस्टर–प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास

(A) ज्योतिष शास्त्र का उद्भव एवं विकास

1. ज्योतिष शास्त्र का परिचय
2. ज्योतिष शास्त्र की उत्पत्ति
3. ज्योतिष शास्त्र का विकास
4. वेदांग ज्योतिष
5. ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्य
6. ज्योतिष शास्त्र का ऐतिहासिक विवेचन

(B) ज्योतिष शास्त्र के प्रमुख अंग

1. त्रि–पंच बहुस्कन्धात्मक ज्योतिष
2. सिद्धान्त
3. संहिता
4. होरा

(Out Comes)

1. ज्योतिष शास्त्र की परिभाषा जान सकेंगे ।
2. ज्योतिष शास्त्र का इतिहास समझ सकेंगे।
3. ज्योतिष शास्त्र के प्रमुख स्कन्धों को जान सकेंगे ।
4. ज्योतिष शास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास कम को जान सकेंगे।
5. ज्योतिष शास्त्र के प्रर्वतकों के नाम व उनके विषय में जान सकेंगे।

- **पाठ्य पुस्तकें–**

1. ज्योतिष शास्त्र का इतिहास– डॉ0 गोरख प्रसाद
2. भारतीय ज्योतिष – शंकर बालकृष्ण दीक्षित– अनुवाद शिवनाथ झारखंडी
3. भारतीय ज्योतिष–नेमिचन्द शास्त्री
4. सुलभ ज्योतिष – पंडित वासुदेव सदाशिव खानखोजे / पंडित हेमनाथ शास्त्री

COURSE CODE - S650702T

प्रथम सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन

(A) सिद्धान्त स्कन्ध

1. सिद्धान्त ज्योतिष का परिचय एवं महत्व
2. सूर्यादि ग्रहों के भगण
3. ग्रह गति विवेचन
4. भूव्यास एवं स्पष्ट भूपरिधि विवेचन
5. भूगोल स्वरूप विवेचन

(B) काल विवेचन

1. काल स्वरूप
2. अमूर्त काल विवेचन
3. मूर्त काल विवेचन
4. ग्रहकक्षा एवं भचक व्यवस्था

(Out Comes)

1. त्रय स्कन्धात्मक ज्योतिष के सिद्धांत ज्योतिष का सामान्य ज्ञान कर सकेगे।
2. ग्रहों के आधार पर काल साधन सिद्धांत जान सकेगे।
3. सिद्धान्त की तीन परंपराएं एवं उनका महत्व समझ सकेगे।
4. भगण शब्द की व्युतपत्ति एवं सूर्यादि ग्रहों के भ्रमण एवं भगण का उपयोग, ग्रह की परिभाषा जान सकेगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. सूर्य सिद्धांत – महावीर प्रसाद श्रीवास्तव
2. सिद्धांत शिरोमणि – मूल लेखक भास्कराचार्य व्याख्या–सत्यदेव शर्मा
3. भारतीय ज्योतिष – शंकर बालकृष्ण दीक्षित/शिवनाथ झारखंडी
4. भारतीय ज्योतिष–नेमिचन्द शास्त्री
5. सिद्धान्त तत्व विवेक–मूललेखक–कमलाकर भट्ट, व्याख्याकार– सत्यदेव शर्मा
6. अद्भुत सागर–मूललेखक बल्लालसेन–टीकाकार–डा. शिवाकान्त झा

COURSE CODE - S650703T
प्रथम सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

पंचांग एवं मुहूर्त

(A) पंचाग परिचय

1. पंचांग का स्वरूप एवं इतिहास
2. पंचांग निर्माण की परम्परा
3. पंचांग के अंग एवं सिद्धान्त
4. दृक्सिद्ध पंचांग का महत्व
5. पंचांग की उपयोगिता

(B) पंचांग साधन एवं प्रकार

1. तिथि साधन
2. वार साधन
3. नक्षत्र साधन
4. योग साधन
5. करण साधन
6. मुहुर्त –विविध मुहुर्त परिचय

(Out Comes)

1. पंचांग की परिभाषा जान सकेगे।
2. पंचांग निर्माण की परंपरा जान सकेगे।
3. पंचांग के स्वरूप के विषय में जान सकेगे।
4. पंचांग के पांचो अंगों के विषय में जान सकेगे।
5. विविध मुहूर्तों के विषय में जान सकेंगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. भारतीय ज्योतिष – शंकर बालकृष्ण दीक्षित/शिवनाथ झारखंडी
2. वेदांग ज्योतिष – मूल लेखक – महात्मा लगध– व्याख्या सुरेश चंद्र मिश्रा
3. भारतीय ज्योतिष – आचार्य नेमिचंद शास्त्री
4. मुहूर्त चिंतामणि पीयूष धारा –मूल लेखक श्री राम दैवज्ञ–व्याख्याकार–विन्ध्येश्वरी प्रसाद दिवेदी
5. मुहूर्त पारिजात – पं. सोहनलाल व्यास
6. Muhurt Traditional and Modern By K.K. Joshi

स्वयं प्रकाश अवस्थी

COURSE CODE - S650704T
प्रथम सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

(A) काल परिज्ञान एवं ग्रहण

1. कालमान का परिचय एवं उपयोगिता
2. चान्द्र एवं सौरमान
3. प्रजापति एवं पितृमान, गुरूमान, दिव्यमान

(B)

1. वर्ष, गोल, अयन, ऋतु, मास, पक्ष, तिथि का सामान्य परिचय
2. वर्ष, मास, दिन, घटी, पल का मान
3. विक्रम संवत, शक संवत्, ईसवी सन्, आदि का परिचय
4. अधिमास एवं क्षय मास
5. तिथि वृद्धि एवं तिथि क्षय
6. ग्रहण व्यवस्था

(Out Comes)

1. कालमान का परिचय एवं इतिहास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. काल गणना के विविध पक्षों का ज्ञान, संवत्सर परिचय जान सकेंगे।
3. नवविध कालमान का औचित्य, प्रयोजन एवं उनका महत्व समझ सकेंगे।
4. वर्ष, गोल, ऋतु आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
5. अधिमास एवं क्षयमास का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
6. सूर्यग्रहण एवं चन्द्र ग्रहण को जान सकेंगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. सूर्य सिद्धांत – महावीर प्रसाद श्रीवास्तव ।
2. सिद्धान्त शिरोमणि–मूल लेखक–भास्कराचार्य–व्यास सत्यदेव शर्मा।
3. बृहद् संहिता– मूललेखक – वराहमिहिर–व्याख्याकार–अच्युतानन्द झा।
4. भारतीय ज्योतिष – शंकर बालकृष्ण दीक्षित/शिवनाथ झारखंडी।
5. भारतीय ज्योतिष – नेमिचंद शास्त्री।
6. मुहूर्त चिंतामणि – (पीयुष धारा)–मूल लेखक श्री राम दैवज्ञ– व्याख्याकार विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी।
7. संस्कृत वांग्मय का वृहद इतिहास – (ज्योतिष शास्त्र)– पद्म भूषण प्रो0 बलदेव उपाध्याय।

COURSE CODE - S650801T
द्वितीय सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

(A) कुण्डली निर्माण

1. इष्टकाल परिचय एवं साधन
2. भयात् भभोग का परिचय एवं साधन
3. ग्रह परिचय, ग्रह स्पष्टीकरण, प्रकार, एवं ग्रह गति
4. मार्गी एवं वकी ग्रह स्पष्टीकरण
5. लग्न परिचय एवं लग्न साधन
6. अयनांश परिचय
7. जन्मांगचक, गोचर चक एवं तात्कालिक कुण्डली निर्माण
8. ग्रहमैत्री–तात्कालिक नैसर्गिक एवं पंचधामैत्री
9. विंशोपक बल का परिचय एवं साधन
10. कुण्डली के द्वादश – भाव परिचय

(Out Comes)

1. इस्टकाल परिचय एवं उसका साधन कैसे किया जाता है, जान सकेंगे।
2. भयात् एवं भभोग परिचय एवं उसके साधन का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. लग्न परिचय उसका साधन – अयनांश परिचय एवं विविध अयनांशों को जान सकेंगे।
4. नवग्रह परिचय एवं उनका स्पष्टीकरण एवं ग्रहगति को जानेंगे।
5. कुंडली की निर्माण विधि एवं द्वादश भाव परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

- पाठ्य पुस्तकें

1. पाराशर होराशास्त्र –
2. ज्योतिष रहस्य – चौखंबा प्रकाशन
3. सचित्र ज्योतिष शिक्षा – लेखक बी0 एल0 ठाकुर
4. ज्योतिष सर्वस्व – लेखक डॉ0 सुरेश चंद्र मिश्र
5. जन्मपत्र दीपक – लेखक श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी
6. लग्न सारिणी– एन. सी. लाहिरी

COURSE CODE - S650802T

द्वितीय सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

पंचांग मुहूर्त एवं विवाह मेलापक

(A) पंचांग

1. पंचांग का शुभाशुभत्व
2. संस्कार परिचय एवं आवश्यकता
3. गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, पुसवन एवं नामकरण मुहुर्त
4. कर्णवेध, अन्नप्राशन, उपनयन, विवाह, वधूप्रवेश, द्विरागमन, गृहारम्भ, गृहप्रवेश

(B) विवाह मेलापक

1. अष्टकूट परिचय
2. गुणों की संख्या एवं उनका मिलान
3. ग्रहमैत्री एवं उसका महत्व
4. नाड़ी विचार, नाड़ी दोष समाधान
5. मांगलिक दोष एवं उसका परिहार तथा शान्ति
6. घट विवाहादि का प्रावधान

(Out Comes)

1. पंचांग शुभाशुभत्व का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. मुहूर्त एवं उसकी उपयोगिता को जान सकेंगे।
3. संस्कार परिचय एवं संस्कार की आवश्यकता के विषय में ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. षोडश संस्कारों के मुहूर्तों को जान सकेंगे।
5. विवाह मेलापक की विधि एवं अष्टकूटों के विषय में जान सकेंगे।
6. मांगलिक दोष एवं उसके परिहार को सीख सकेंगे।

- पाठ्य पुस्तकें

1. मुहूर्त चिंतामणि–(पीयुष धारा) लेखक श्रीराम दैवज्ञ – टीकाकार–विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी।
2. सुलभ ज्योतिष ज्ञान – पंडित वासुदेव सदाशिव खानखोजे/रामनाथ शास्त्री ।
3. मुहूर्त परिजात– पं. सोहनलाल व्यास।
4- Muhurt Traditional and modern By - K.K. Joshi.
5. विवाह वृन्दावनम्–श्री गणेश दैवज्ञ–भाषा टीका डा0 रामचन्द्र पाठक।
6. हिन्दू संस्कार – लेखक डा0 राजबली पाण्डेय।

COURSE CODE - S650804T
द्वितीय सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

- **वास्तु ज्योतिष –**

1. वृहद्वास्तुमाला के अनुरूप गृह निमार्ण से पुरूषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति
2. भूमि शोधन, शल्यानयन, दिक्साधन आदि
3. गृहायुष्यादि विचार एवं गृहारम्भ योग
4. वास्तु चक
5. पंचमहाभूतों का स्थान एवं उनमें स्थित वास्तु व्यवस्था

(Out Comes)

1. वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय एवं वैदिक संबंध को जान सकेंगे।
2. वास्तु शास्त्र का उद्भव एवं आचार्य परंपरा एवं वास्तु चक्र को समझ सकेंगे।
3. वास्तु अनुरूप ग्रह और पुरुषार्थ चतुष्टय का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. वास्तुशास्त्र में पंचमहाभूत।
5. भूमिशोधन, शल्यानयन आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

- **पाठ्य पुस्तकें**

1. भारतीय वास्तु विद्या के वैज्ञानिक आधार – श्री बिहारी लाल शर्मा
2. वास्तुसार– देवी प्रसाद त्रिपाठी
3. गृह वास्तु – शास्त्रीय विधान – देशबंधु बाजपेई
4. बृहद्वास्तु माला – डॉ ब्रम्हानन्द त्रिपाठी
5. वास्तु मीमांसा – डॉ सुरेश चंद्र मिश्र
6. राज बल्लभ मण्डनम् – व्याख्या–डा0 शैलजा पाण्डेय
7. मय मतम्–दानवराज मय प्रणीत–हिन्दी व्याख्या डा0 शैलजा पाण्डेय
8. समरांगण सूत्रधार–महाराजाधिराज भोजदेव विरचित– अनुवादक डा0 श्रीकुष्ण 'जुगनू'

COURSE CODE - S650805T
द्वितीय सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

• फलादेश के आवश्यक तत्व

1. काल पुरूष का परिचय
2. राशि, मूलत्रिकोण, उच्च, नीच राशियाँ
3. राशि, वर्गोत्तम का ज्ञान, दग्ध राशियाँ, दग्ध तिथियां
4. राशि शील
5. ग्रह स्वरूप, ग्रह विचार (स्थान बल, काल बल)
6. ग्रह स्वरूप एवं उनके स्वभाव
7. ग्रह बल विचार (चेष्टा बल एवं नैसर्गिक बल)

(Out Comes)

1. जातक शास्त्र का परिचय एवं स्वरूप को समरू सकेंगे।
2. राशि, राशि का महत्व, सिद्धांत एवं स्वरूप को जान सकेंगे।
3. राशिशील (स्वभाव) को जान सकेंगे।
4. ग्रह का स्वरूप स्वभाव, ग्रह बल विचार को जानेंगे।
5. द्वादश भावों का महत्व, स्वरूप एवं कारकतत्व को समझेंगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. बृहद्पाराशर होराशास्त्र – (1) सुरेश चन्द्र मिश्र
   (2) ओ. पी. पालीवाल
   (3) पद्मनाथ शर्मा
2. जातक परिजात –मूल लेखक –वैद्यनाथ दीक्षित–व्याख्याकार – डा0 सुरेश चन्द्र मिश्र
3. होरा रत्नम् – मूललेखक बलभद्र मिश्र व्याख्या मुरलीधर चर्तुवेदी।
4. सारावली – मूल लेखक कल्याण वर्मा सृष्टि व्याख्या सुरकान्त झा।
5. बृहद्जातक – मूललेखक वराहमिहिर व्याख्या बी. सूर्यनारायण राव।
6. फलदीपिका–मूललेखक मन्त्रेश्वर व्याख्याकार गोपेश कुमार ओझा।
7. उत्तरकालामृत – मूललेखक कवि कालिदास व्याख्याकार जगन्नाथ भसीन।
8. वृहद्जातक–मूललेखक–वराहमिहिर

COURSE CODE - S650806T
द्वितीय सेमेस्टर– षष्ठम् प्रश्न पत्र

(A) दशा परिचय एवं मारकेश

दशा परिचय

1. दशा परिचय एवं दशाओं के प्रकार
2. विंशोत्तरी दशा साधन, अर्न्तदशा साधन, प्रत्यन्तर्दशा साधन
3. योगिनी दशा

(B) मारकेश एवं अरिष्ट

1. मारकेश निर्णय–मारकेश काल का निर्धारण
2. जन्मकालिक अरिष्ट (बालारिष्ट)
3. गण्डान्त, अभुक्त मूल
4. आकस्मिक दुर्घटना (अरिष्ट)
5. बन्धन योग

(Out Comes)

1. विभिन्न प्रकार की दशाओं का परिचय (विंशोत्तरी योगिनी, अष्टोत्तरी) प्राप्त हो सकेगा।
2. विभिन्न प्रकार की दशाओं का साधन एवं उनका महत्व–अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर दशा।
3. मारकेश एवं अरिष्ट निर्धारण करना सीख सकेंगे।
4. आकस्मिक दुर्घटनायें एवं शल्य चिकित्सा बन्धन आदि का विचार करना जान सकेंगे।

- पाठ्य पुस्तकें

1. बृहद्पाराशर होराशास्त्र (1) सुरेशचन्द्र मिश्र
   (2) ओ0 पी0 पालीवाल
   (3) पद्मनाथ शर्मा
2. लघु पाराशरी (1) मेजर एस. जी. रवोत
   (2) सीताराम झा
3. **Laghu Parashari By P.K. Vasudev**
4. जातक परिजात – मूल लेखक वैद्यनाथ –व्याख्याकार –गोपेश कुमार ओझा
5. बृहद्जातक – वराह मिहिर

COURSE CODE - S650901T
तृतीय सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

होराशास्त्र एवं फलादेश-1

(A) होरा स्कन्ध

1. नक्षत्र का स्वरूप, गुणधर्म, विशिष्ट विवेचन
2. ग्रह का स्वरूप, गुण धर्म उनकी मूल त्रिकोण उच्च नीच राशियां, स्वराशि, गुण धर्म विशिष्ट विवेचन
3. राशि प्रभेद एवं स्वरूपविवेचन
4. ग्रह भाव एवं कारकत्व
5. ग्रहों की दृष्टियां, शुभत्व एवं अशुभत्व प्रभाव

(B) अवस्था

1. ग्रहों की विभिन्न अवस्थायें एव उनका साधन
2. ग्रह की अवस्थाओं के अनुसार फलादेश का निर्णय
3. ग्रहों के मरण–कारक स्थान

(Out Comes)

1. नक्षत्रों का स्वरूप गुणधर्म आदि जान सकेंगे।
2. ग्रहों का स्वरूप, गुणधर्म और अवस्थाओं के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा।
3. ग्रहों की दृष्टि, शुभत्व एवं अशुभत्व प्रभावों को जान सकेंगे।
4. ग्रहण के मरण कारक स्थान

5. पाठ्य पुस्तकें

1. बृहदपाराशर होराशास्त्र
2. फलदीपिका – मूललेखक–मन्त्रेश्वर–व्याख्या–गोपेश ओझा
3. उत्तर कालामृत –मूल लेखक –कालिदास–व्याख्या जगन्नाथ भसीन
4. होरा रत्नम् – श्री बलभद्र मिश्ररचित–व्याख्याकार –डा0मुरलीधर चतुर्वेदी
5. सचित्र ज्योतिष शिक्षा – लेखक – वी.एल. ठाकुर

COURSE CODE - S650902T
तृतीय सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

ज्योतिष के विविध योग एवं दशाफल विचार – 1

(A) विविध योग विचार

1. नाभस योग
2. राजयोग
3. दारिद्रय योग
4. मारक योग – आदि

(B) दशा साधन

1. विशोंत्तरी दशा
2. अष्टोत्तरी दशा
3. सशर्त दशाएं
4. अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तर दशा
5. इन सभी से घटना समय जानने की विधि

(Out Comes)

1. विभिन्न योगों की परिभाषा जान सकेंगे।
2. विभिन्न योगों का फलित ज्योतिष में महत्व एवं उनका फल
3. विभिन्न दशाओं का फल निर्धारण
4. योगों के फल मिलने का समय/घटना का समय

• पाठ्य पुस्तकें

1. वृहदपाराशर होरा शास्त्र
2. लघुपाराशरी–मूललेखक–ऋषि पाराशर, पी. के वासुदेव सीताराम झा
3. जातक परिजात–मूललेखक वैद्यनाथ – भाष्यकार केदारदत्त जोशी
4. होरा रत्नम–मूललेखक बलभद्र मिश्र, व्याख्या मुरलीधर चतुर्वेदी
5. बृहद्जातक–मूललेखक – वराह मिहिर– व्याख्या– केदारदत्त जोशी
6. दशाफल रहस्य –लेखक – कृष्णकुमार

COURSE CODE - S650903T
तृतीय सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

ज्योतिष एवं यात्रा विमर्श

(A) ग्रह राशियों का प्रभाव

1. ग्रहों का मानव जीवन पर प्रभाव
2. राशियों का मानव जीवन पर प्रभाव
3. ग्रहों का वनस्पतियों पर प्रभाव
4. जल वृष्टि एवं कृषि में ज्योतिष

(B) यात्रा मुहुर्त

1. यात्रा मुहूर्तादि का परिचय
2. तिथि नक्षत्र शुद्धि
3. वार एवं लग्न शुद्धि
4. यात्रा हेतु शूल, नक्षत्र, योगिनी, भद्रा, चन्द्रमा आदि का शोधन
5. यात्रा हेतु शुभ चौघड़िया एवं होरा
6. यात्रा हेतु तारा विचार

(Out Comes)

1. गृह एवं राशियों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव को जान सकेंगे।
2. ग्रहों का वनस्पतियों पर प्रभाव जान सकेंगे।
3. ग्रहों का प्रभाव, वृष्टि में महत्व, वृष्टि का महत्व, प्रकार एवं वृष्टिकाल।
4. यात्रा मुहूर्त के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
5. यात्रा के लिए सही समय का चयन करना सीख सकेंगे।

- **पाठ्य पुस्तकें**

1. जातक पारिजात – मूललेखक – बैद्यनाथ – भाष्यकार–गोपेश कुमार ओझा।
2. वृहद्संहिता–मूललेखक वराहमिहिर–व्याख्याकार अच्युतानंद झा।
3. भारतीय वृष्टि विज्ञान अनुशीलन लेखक– देवी प्रसाद त्रिपाठी ।
4. कृषि पाराशर– लेखक श्री द्वारकाप्रसाद शास्त्री
5. मुहूर्त चिंतामणि (पीयुषधारा) मूल लेखक श्रीराम दैवज्ञ–व्याख्याकार– विन्धेश्वरी प्रसाद द्विवेदी
6. मुहूर्त पारिजात –लेखक पं. सोहन लाल व्यास

COURSE CODE - S650905T
तृतीय सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

- **जैमिनी ज्योतिष**
  1. अर्गला
  2. राशि दृष्टियाँ
  3. जैमिनी सूत्र
  4. चर दशा
  5. आरूढ़ लग्न
  6. उप–पद लग्न
  7. चर कारक

- **वैदिक ज्योतिष में रत्न एवं अन्य उपाय**

(Out Comes)

1. जैमिनी ऋषि द्वारा प्रणीत ज्योतिष का परिचय
2. जैमिनी ज्योतिष एवं पाराशरी ज्योतिष में अंतर
3. राशियों की दृष्टि
4. आरुढ़ लग्न एवं उपपद लग्न आदि का साधन एवं उसकाफल
5. रत्नों की पहचान एवं उनके धारण की विधि
6. अरिष्ट निवारण हेतु उपाय–(मंत्र यंत्रादि)

- **पाठ्य पुस्तकें**

1. जैमनी सूत्रम् – डॉ सुरेश चंद्र मिश्र
2. जैमिनी मुक्ता – डॉ सुरेश चंद्र मिश्रा
3. जैमिनी सूत्रम् – पंडित सीताराम झा
4- Practical and Mantras and Tantras By L.R Chaudhari
5- Practical Remedial Measurs By K.T. Shubhankar

COURSE CODE - S650906T
तृतीय सेमेस्टर – षष्ठम् प्रश्न पत्र

संहिता स्कन्ध

(A) संहिता प्रकरण

1. संहिता ज्योतिष परिचय
2. दैवज्ञ लक्षण
3. ग्रहचार विवेचन

(B) आपदा प्रकरण – वृष्टि प्रकरण

1. वृष्टि के कारक
2. मेघ गर्भ लक्षण
3. वृष्टि विचार एवं वृष्टि भंग योग
4. प्राकृतिक आपदा
5. राजैतिक एवं आर्थिक स्थितियां (किसी भी देश की)

(Out Comes)

1. संहिता ज्योतिष का परिचय एवं प्रमुख विषय एवं इतिहास।
2. दैवज्ञ की परिभाषा एवं लक्षण को समझ सकेंगे।
3. ग्रहाचार क्या है और उसका फल जान सकेंगे।
4. सभी ग्रहों में चार फल का विश्लेषण कर सकेंगे।
5. वृष्टि का ज्ञान उद्भव, स्वरूप एवं भेद को जान सकेंगे।
6. मेघ की परिभाषा, स्वरूप, मेघ के भेद एवं मेघगर्भ के लक्षण, उपयोगिता को समझेंगे।
7. प्राकृतिक आपदाओं के बारे में जान सकेंगे।
8. भूमिगत जल का ज्ञान (दर्कागल) के विषय में जान सकेंगे।
9. किसी भी देश की राजनैतिक और आर्थिक स्थिति का आकलन का सकेंगे।

- पाठ्य पुस्तकें

1. वृहतसंहिता – मूललेखक – वराहमिहिर व्याख्या अच्युतानन्द झा
2. अद्भुदसागर – मूललेखक–बल्लाल सेन– व्याख्या प्रो. शिवाकांत झा
3. मकरंद प्रकाश – लेखक लखनलाल
4. वृष्टि विज्ञान परिशीलन – लेखक देवी प्रसाद त्रिपाठी
5. प्रश्न मार्ग – लेखक सूर्यकांत झा

COURSE CODE - S651001T
चतुर्थ सेमेस्टर – प्रथम प्रश्न पत्र

(A) होरा शास्त्र एवं फलादेश – 2

1. अरिष्ट एवं अरिष्ट भंग निर्णय
2. अरिष्ट योग विचार
3. अरिष्ट भंग योग विचार
4. अरिष्ट योगो का निदान
5. आयु विचार एवं साधन

(B) फलादेश विवेचन

1. भावफल विचार
2. भावेश फल
3. द्विग्रहादि योग फल
4. जन्मतिथ्यादि के स्वामियों, जन्मवार, जन्महोरा के स्वामियों के अनुसार फल कथन
5. अप्रकाश ग्रह फल
6. भाव कारक विचार

(Out Comes)

1. जन्मपत्र में बने अरिष्ट योगो को जान सकेंगे।
2. उनसे होने वाले दुष्प्रभावों को जान सकेंगे।
3. उन अरिष्ट योगों के निदान के विषय में जान सकेंगे।
4. जातक की आयु का निर्धारण कर सकेंगे।
5. जन्मपत्र के 12 भावों के विषय में विस्तृत रूप से जान सकेंगे।
6. एक भाव में एक से अधिक ग्रह है तो उनका सम्मिलित फल क्या होगा यह जान सकेंगे।
7. उल्का, धूमकेतु, व्यतिपात मान्दि, गुलिक आदि अप्रकाशित ग्रहों के विषय में जान सकेंगे।

• पाठ्य पुस्तकें

1. पाराशर होरा शास्त्र – व्याख्याकर – सुरेश चंद्र मिश्र
   पाराशर होरा शास्त्र – व्याख्याकर – ओ. पी. पालीवाल
   पाराशर होरा शास्त्र – व्याख्याकर – पद्मनाथ शर्मा
2. बृहदजातक – मूल लेखक – वराहमिहिर – व्याख्या – केदारदत्त जोशी
3- **Brihat Jatak - By B. Suryanarayan Rao**
4. द्वादश भाव एवं नवग्रह – एम. एन. केदार
5. जातक सारदीप – मूल लेखक नृसिंह दैवज्ञ – व्याख्या – सुरेश चंद्र मिश्र

COURSE CODE - S651002T
चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

ज्योतिष के विविध योग एवं दशा फल विचार – 2

(A) दशाफल विचार

1. महादशा फल विचार
2. अन्तर्दशा फल विचार
3. प्रत्यन्तर्दशा फल विचार

(B) ज्योतिष के विविध योग

1- विशिष्ट राज योग का विवेचन एवं उनका फल
2- पंच महापुरुष योग का विवेचन एवं उनका फल
3- विपरीत राजयोग का विवेचन एवं उनका फल
4- शकुन फल विचार
5- स्वप्न फल विचार

(Out Comes)

1. जन्म पत्र के आधार पर चल रही महादशा के फल को जान सकेंगे।
2. जन्म पत्र के आधार पर एक महादशा में सभी नौ ग्रहों की अंतर्दशा के फल को जान सकेंगे।
3. अंतर्दशा में सभी ग्रहों की प्रत्यंतर्दशा का फल जान सकेंगे।
4. विशिष्ट राजयोगों के विषय में जान सकेंगे।
5. बने हुए राजयोगों का फल जान सकेंगे
6. विपरीत राजयोगो के विषय में जान सकेंगे।
7. विपरीत राजयोगो का फल जान सकेंगे।
8. पंच महापुरुष योग एवं उनका फल जान सकेंगे।
9. शकुन अपशकुन के विषय में जान सकेंगे।
10. स्वप्न फल का विचार कर सकेंगे।

- **पाठ्य पुस्तकें**

1. वृहद्पाराशर होरा शास्त्र –सुरेश चन्द्र मिश्र
   पाराशर होरा शास्त्र – व्याख्याकर – ओ. पी. पालीवाल
   पाराशर होरा शास्त्र – व्याख्याकर – पद्मनाथ शर्मा
2. वृहदजातक व्याख्या – केदारनाथ जोशी
3. मुहुर्त चिन्तामणि –मूल लेखक –श्रीराम दैवज्ञ – व्याख्या – विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी
4. वृहद्संहिता – मूललेखक वराहमिहिर – व्याख्याकर – सुरेश चन्द्र मिश्र
5- **Encyclopedia of Indian Astrology – By Pro. N. E. Muthuswamy**

COURSE CODE - S651004T (Elective)
चतुर्थ सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

कृष्णा मूर्ति पद्धति

1. कृष्णामूर्ति पद्धति के आधारभूत सिद्धान्त
2. कृष्णा मूर्ति पद्धति एवं विवाह
3. कृष्णा मूर्ति पद्धति एवं सन्तान
4. कृष्णा मूर्ति पद्धति एवं नक्षत्र के स्वामी और उप स्वामी
5. कृष्णा मूर्ति पद्धति एवं गोचर
6. कृष्णा मूर्ति पद्धति एवं प्रश्न ज्योतिष

(Out Comes)

1. कृष्णमूर्ति पद्धति के सिद्धान्तों को जान सकेंगे।
2. कृष्णमूर्ति पद्धति के आधार पर कुण्डली निर्माण कर सकेंगे।
3. कृष्णमूर्ति पद्धति के अनुसार विवाह का स्तर एवं समय जान सकेंगे।
4. कृष्णमूर्ति पद्धति के अनुसार सन्तान के प्रत्येक पहलू को जान सकेंगे।
5. कृष्णमूर्ति पद्धति के अनुसार गोचर फल जान सकेंगे।
6. कृष्णमूर्ति पद्धति के आधार पर 1 से 249 नम्बरों से कुण्डली निर्माण एवं उनसे प्रश्नों का उत्तर दे सकेंगे।

- पाठ्य पुस्तकें

1- **Fundamental of Astrology By K.S. Krishna murty**
2- **Marriage. Married Life and children By. K.S. Krishna murty**
3- **Transit By K.S. Krishna murty**
4- **Predictive Stellar Astrology By K.S. Krishna murty**
5- **Horary Astrology - By K.S. Krishna murty**

COURSE CODE - S651005T (Elective)
चतुर्थ सेमेस्टर – पंचम प्रश्न पत्र

- **प्रश्न ज्योतिष एवं गोचर**

(A) प्रश्न ज्योतिष

1. प्रश्न कुण्डली बनाने का विधान
2. प्रश्न कुण्डली से प्रश्न का उत्तर
3. एक ही प्रश्न कुण्डली से कई प्रश्नों के उत्तर का विधान
4. प्रश्न कुण्डली और विवाह, रोजगार तथा सन्तान

(B) गोचर

1. गोचर परिचय
2. शनि की साढ़े साती
3. गुरु का गोचर
4. शनि का गोचर
5. चन्द्रादि ग्रहों का गोचर

(Out Comes)

1. पाराशरी सिद्धान्तों पर प्रश्न कुण्डली बनाना सीखेंगे।
2. प्रश्नों का उत्तर देना सीखेंगे।
3. प्रश्न कुण्डली के आधार पर विवाह आदि का समय जान सकेंगे।
4. सभी ग्रहों का गोचर फल जान सकेंगे।

- **पाठ्य पुस्तकें**
  1. भुवनदीपक – शुकदेव चतुर्वेदी
  2. भुवनदीपक – राकेश चतुर्वेदी

- प्रश्न मार्ग – मूल लेखक – नारायण लम्बूदरी

व्याख्या बी. वी. रमन
जगन्नाथ भसीन

निदेशक,
दीनदयाल शोध केन्द्र
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर

महोदय,

सूचित करना है कि दीनदयाल शोध केन्द्र में संचालित एम0ए0 ज्योतिर्विज्ञान एवं डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड पाठ्यक्रम के निमित्त् दिनांक 11 मई, 2024 को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आम सहमति से कुछ संशोधनों के साथ सम्पन्न हुई ।

जिसमें मैं अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त करता हूँ ।

भवदीय

डॉ. विजय शंकर द्विवेदी
दिल्ली विश्वविद्यालय।

निदेशक,
दीनदयाल शोध केन्द्र
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर

महोदय,

सूचित करना है कि दीनदयाल शोध केन्द्र में संचालित एम0ए0 ज्योतिर्विज्ञान एवं डिप्लोमा इन कर्मकाण्ड पाठ्यक्रम के निमित्त् दिनांक 11 मई, 2024 को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक आम सहमति से कुछ संशोधनों के साथ सम्पन्न हुई ।

जिसमें मैं अपनी पूर्ण सहमति व्यक्त करता हूँ ।

भवदीय

डॉ. अंशुल दुबे,
तिलक डिग्री कालेज, औरैया,